आया शिवरात्रि का त्यौहार है

शिव जी की महिमा अपरम्पार है
आया शिवरात्रि का त्यौहार है
चरणों में नतमस्तक संसार है
आया शिवरात्रि का त्यौहार है

नमः शिवाय ॐ नमः शिवाय नमः शिवाय ॐ नमः शिवाय

जिनके उर में सर्पो की माला है
भस्म रमाए बैठा डमरू वाला है
सिर पर जिनके गंगा की धार है
दुनिया उनकी करती जय जयकार है
शिव जी की महिमा अपरम्पार है
आया शिवरात्रि का त्यौहार है

भांग धतूरा बेल पत्र ले आए है
गंगा जल में अक्षत फूल सजाए है
होंठों पे भरे बस ओमकार है
शिवजी के मंत्रो का गुंजार है
शिव जी की महिमा अपरम्पार है
आया शिवरात्रि का त्यौंहार है

ईच्छा जन जन की ये पूरी करते है
झोली हरदम भक्तों की ये भरते है
दर्शन करने से ही उद्धार है
अनुज देवेंद्र इनका शृंगार है
शिव जी की महिमा अपरम्पार है
आया शिवरात्रि का त्यौहार है

शिव जी की महिमा अपरम्पार है
आया शिवरात्रि का त्यौहार है
चरणों में नतमस्तक संसार है
आया शिवरात्रि का त्यौहार है

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/14936/title/aaya-shivratari-ka-tyohaar-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |